Roll No:- 39
Class No:- 11 Question No:- 1

➢➢ *ड्रामा या पुरुषार्थ ?*

➳ _ ➳ जब *दूसरों के पार्ट* को देखें तो *ड्रामा* की नज़र से देखें

➳ _ ➳ जब *स्वयं के पार्ट* को देखें तो *पुरुषार्थ* की नज़र से देखें

➢➢ *Right Time Is Right Now*

➳ _ ➳ *हर घड़ी कल्याणकारी घड़ी*

➳ _ ➳ जब *हर परिस्थिति आपके विरुद्ध* हो, वही सही समय है स्वय को और *निखारने* के लिए

→ *कमल* हमेशा *कीचड* में ही उगता है

→ *सोना* हमेशा *आग* में ही तपता है

➢➢ *"प्रभु प्रेम"*

➳ _ ➳ प्रेम का अनुभव तो किया जा सकता है पर उसकी *व्याख्या करना बहुत मुश्किल* है

➢➢ *सहनशक्ति*

➳ _ ➳ मज़बुरी से सहन नहीं करना है... *ज्ञान के बल से सहन* करना है...

➳ _ ➳ सहन करते हुए यह भाव भी नहीं होना चाहिए की "मैं सहन कर रहा हूँ*

→ सहन करते हुए *शिकायत का भाव नहीं* होना चाहिए

➳ _ ➳ सहन शक्ति के साथ साथ *समाने की शक्ति* भी चाहिए

→ सहन करने के बाद उसका *वर्णन मत कीजिये*

➳ _ ➳ *मर मर मर झुक झुक सीख सीख*

➳ _ ➳ हमें सहन करना है क्योंकि यह *परमात्म आदेश* है